एजुकेशन

JAC e&am: मैट्रिक-इंटरमीडिएट में रजिस्ट्रेशन के साथ भरे जायेंगे परीक्षा फॉर्म

झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के मैट्रिक और इंटरमीडिएट में रजिस्ट्रेशन के साथ ही परीक्षा के लिए

आवेदन पत्र भरे जायेंगे। अगस्त के अंतिम सप्ताह से ही इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली है। अब तक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मैट्रिक और इंटरमीडिएट के आवेदन भरे जाते थे।

इसमें छात्र-छात्राओं दो बार अपनी व्यक्तिगत जानकारी (पर्सनल डिटेल) और अलग-अलग शुल्क देना पड़ता था। इसमें एक तरफ जहां स्कूलों को रजिस्ट्रेशन-आवेदन भरने में शिक्षकों को लगाना पड़ता था, वहीं जैक को भी दो बार इस काम को करना होता था। वन टाइम फॉर्म सब्मिट से छात्रों, शिक्षकों के साथ-साथ जैक का समय और मैन पावर बचेगा। साथ ही, रजिस्ट्रेशन करने के बाद किसी कारणवश आवेदन नहीं भरने से परीक्षा से वंचित होने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या में कमी आयेगी। जैक ने इसका प्रस्ताव स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग को भेजा है और इसे मंजूरी मिलने के बाद इसी महीने अंतिम सप्ताह से आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी।

परीक्षार्थी भरेंगे आवेदन, स्कूल करेगा ऑनलाइन - मैट्रिक व इंटरमीडिएट के रजिस्ट्रेशन व परीक्षा के आवेदन पत्र परीक्षार्थी ऑफलाइन भरेंगे। परीक्षार्थी इसे भर कर स्कूल को देंगे। इसमें परीक्षार्थियों का हस्ताक्षर होना जरूरी होगा और एक साथ शुल्क जमा करना होगा। स्कूल इन आवेदनों को ऑनलाइन भर कर जैक को भेजेंगे। जैक आवेदनों को देखने के बाद स्कूलवार चेकलिस्ट जारी करेगा। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की गड़बड़ी सुधारने का तीन मौका दिया जायेगा। दो बार निःशुल्क जबकि एक बार फीस चुकाकर सुधार किया जा सकेगा। परीक्षा से पहले ऑनलाइन एडमिट कार्ड मिलेगा।

होमकॅरियर

IGNOU ने कहा- BTech डिग्री और डिप्लोमा कोर्स के लिए हमें AICTE से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने स्पष्ट किया है कि बीटेक डिग्री व डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए उसे एआईसीटीई से अनुमोदन की जरूरत नहीं है। इग्नू ने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला दिया है।

इग्नू के जन संपर्क अधिकारी राजेश अरोड़ा ने बताया कि 30 जुलाई 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि इग्नू के बीटेक डिग्री या डिप्लोमा के लिए एआईसीटीई अनुमोदन आवश्यक नहीं है। इस फैसले ने उन छात्रों को बड़ी राहत दी है जिन्होंने इग्नू से अपनी बीटेक डिग्री या डिप्लोमा अर्जित किया था। उन्होंने बताया कि अब यह उम्मीद की जाती है कि इग्नू की बीटेक डिग्री या डिप्लोमा करने वाले छात्रों को भर्ती या पदोन्नति में किसी तरह की परेशानी नहीं आएगी।

यूजीसी ने इग्नू के मात्र 42 रेगुलर कोर्स के संचालन की मंजूरी दी थी। इसके बाद इग्नू के कुलपति प्रो.नागेश्वर राव ने कहा था कि सभी कोर्स संबंधित नियामक निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं और संबंधित दस्तावेजों को यूजीसी को विचारार्थ जमा करा दिया है।

उच्च शिक्षण संस्थाओं की स्वच्छ कैम्पस रैंकिंग की पहल, 28 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन

स्वच्छ भारत अभियान के तहत शहरों की रैंकिंग के बाद अब सरकार ने उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वच्छ कैम्पस रैंकिंग की पहल को गति दी है जिसमें चयनित 10 शीर्ष संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि उच्च शैक्षणिक संस्थाओं की स्वच्छ कैम्पस रैंकिंग में हिस्सा लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 28 अगस्त है। आपको बता दें कि पिछले साल मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग की पहल शुरू की थी। इसमें हिस्सा लेने वाले शैक्षणिक संस्थानों को पहले मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा। अगस्त-सितंबर में विभिन्न टीमें इन संस्थानों का निरीक्षण करेंगी। मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मापदंडों के आधार पर सितंबर के अंतिम सप्ताह में रैंकिंग जारी होगी।

अक्टूबर 2018 में दिल्ली में विजेताओं को सम्मान दिया जाएगा। स्वच्छ कैम्पस रैंकिंग में भाग लेने के कुछ मानदंड निर्धारित किए गए हैं जिसमें कैम्पस का आकलन, शौचालय की संख्या और साफ सफाई का स्तर, कचरा निस्तारण व्यवस्था, हॉस्टल के रसोई घर की स्वच्छता, पानी की स्वच्छता, जल संग्रहण और निकासी की व्यवस्था, कैम्पस में हरियाली, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सौर प्रणाली का उपयोग और गोद लिए गांवों की स्थिति जैसे मापदंड शामिल किए गए हैं।

आधार नंबर लीक होने से बैंक खाते में धोखाधड़ी का खतरा नहीं

नई दिल्ली। बैंकिंग सहित सभी सरकारी सेवाओं में आधार की जरूरत को देखते हुए इसके गलत इस्तेमाल से उपयोक्ताओं को बचाने के लिए यूआईडीएआई ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें बताया गया है कि महज आधार संख्या के सहारे कोई आपके बैंक खाते के साथ धोखाधड़ी नहीं कर सकता है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने एक एडवाइजरी जारी करते हुए बताया है कि आप अपने आधार संख्या की सुरक्षा बैंक खाते, पैन, क्रेडिट कार्ड की तरह करें। इसकी जानकारी फेसबुक, व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या किसी अन्य पब्लिक डोमन में साझा न करें। हालांकि आप स्कूल फीस, पानी, बिजली, टेलीफोन का बिल आदि सभी सेवाओं में बिना किसी परेशानी के इसका इस्तेमाल कर

सकते हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अपने आधार की जानकारी किसी सेवा प्रदाता के साथ साझा करना पूरी तरह सुरक्षित है, क्योंकि सिर्फ आधार संख्या की जानकारी से कोई आपको नुकसान नहीं पहुंचा सकता है। इसके लिए क्यूआर कोड या फिंगरप्रिंट की जरूरत होती है। अगर कोई ऐसा करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।प्राधिकरण ने बताया कि अगर कोई उपयोक्ता अपने बैंक खाते, डीमैट खाते, म्यूचुअल फंड, पैन आदि को आधार से लिंक करता है तो वह किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से खुद को सुरक्षित कर लेता है। सभी खातों को आधार से जोड़े जाने के बाद किसी के लिए भी गलत आईडी से फर्जीवाड़ा करना मुमकिन नहीं होगा।

आपके आधार कोई अन्य खाता नहीं खुलवा सकता

प्राधिकरण ने बताया कि अगर आपके आधार की फोटोकॉपी किसी के हाथ लग जाए तो घबराएं नहीं, क्योंकि सिर्फ इसके जरिये कोई आपके नाम पर खाता नहीं खुलवा सकता। आरबीआई की गाइडलाइन के अनुसार, खाता खोलने के लिए बैंक बायोमेट्रिक या ओटीपी स्पष्टीकरण लेते हैं।

जियो गीगा फाइबर : 90 दिनों के लिए होगा एकदम FREE, हर माह 100 जीबी डाटा

नई दिल्ली। जियो गीगा फाइबर ब्रॉडबैंड के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत 15 अगस्त से चुकी है। अब कंपनी ने प्रीव्यू ऑफर (Jio Giga Fiber Preview Offer) के बारे में ऐलान किया है। 90 दिनों के लिए प्रीव्यू ऑफर के तहत, यूजर्स को हर महीने 100 जीबी डाटा फ्री मिलेगा, वो भी तीन महीनों के लिए। इस दौरान स्पीड 100 एमबीपीएस की होगी।

ग्राहक के रजिस्ट्रेशन कराने के बाद कंपनी यह देखेगी कि किस जगह से सबसे ज्यादा मांग है। इसके बाद उस जगह को सबसे पहले Jio Giga Fiber की सेवा दी जाएगी। बता दें कि जियो गीगा फाइबर का रजिस्ट्रेशन यूजर्स MyJio एप के साथ कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट jio.com पर करा सकते हैं। Jio Giga Fiber प्रीव्यू ऑफर के बारे में एक बात है यह पूरी तरह से मुफ्त इंस्टॉलेशन के साथ आता है। इसके लिए ग्राहक से कोई भी चार्ज नहीं लिया जाता है। केवल ग्राहक से सिक्योरिटी के रूप में 4500 रुपये कंपनी लेती है जो कि रिफंडेबल है। यह जियो के ब्रॉडबैंड राउटर के लिए लिया जाता है।

ब्रॉडबैंड सेवा के प्रीव्यू ऑफर के खत्म होने के बाद जियो ग्राहकों को प्रीपेड प्लान्स के विकल्प दिए जाएंगे। इसकी घोषणा आने वाले कुछ समय में होगी। जानकारी है कि अभी सिर्फ जियो गीगा फाइबर का प्रीपेड प्लान ही आएगा। पोस्टपेड प्लान बाद में ही लॉन्च किया जाएगा।

फोर्ब्स रिपोर्ट में आया सामने सिर्फ 3 महीने में Whatsapp पर यूजर्स ने बिताए इतने घंटे

नई दिल्ली। दुनियाभर के लोगों में त्वरित मैसेजिंग एप व्हाट्सएप को लेकर दीवानगी बढ़ती जा रही है। फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाट्सएप पर तीन महीने के दौरान दुनियाभर के लोगों ने 85 अरब

घंटे बिताए हैं। इसके हिसाब से पृथ्वी पर मौजूद हर शख्स तीन महीने में 11.425 घंटे व्हाट्सएप इस्तेमाल कर चुका है। दुनिया में इस वक्त यह एप 1.5 अरब लोग इस्तेमाल कर रहे हैं।

फोर्ब्स के लिए यह डाटा जुटाने वाली कंपनी ऐपटोपिया के प्रवक्ता एडम ब्लैकर के मुताबिक, इतने ही समय में फेसबुक पर दुनियाभर के लोगों ने 30 अरब घंटे बिताए। इस रिपोर्ट में चीन के थर्ड पार्टी एंड्रॉयड एप स्टोर्स, वीचैट और अन्य चीनी एप शामिल नहीं हैं, जबकि वीचैट दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला एप है।

एक दिन में साढ़े तीन घंटे मोबाइल पर बिताते हैं अमेरिकी

मोबाइल गेम्स की बात करें तो क्लैश ऑफ क्लैंस इस रिपोर्ट में शीर्ष पर है। तीन महीने के दौरान यूजर्स यह गेम 383 करोड़ घंटे खेल चुके हैं। इसके बाद टाकिंग टॉम, कैंडी क्रश सागा हैं।

शीर्ष-10 सोशल मीडिया एप

1. व्हाट्सएप, 2. वीचैट, 3. फेसबुक, 4. मैसेंजर, 5. पंडोरा, 6. यू-ट्यूब, 7. इंस्टाग्राम, 8. ट्विटर, 9. गूगल मैप्स, 10. स्पॉटिफाई

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- माऊण्ट आबू पर्वत (राजस्थान) पर एक मंडप बनाकर जयसिंह सिद्धराज ने अपने सातों पूर्वजों की गजारोही मूर्तियों की स्थापना की।
- मोढ़ेरो के सूर्य मंदिर का निर्माण सोलंकी राजाओं के शासनकाल में हुआ था।
- सिद्धपुर में रूद्रमहाकाल के मंदिर का निर्माण जयसिंह, सिद्धराज ने किया था।
- सोलंकी वंश का अंतिम शासक भीम द्वितीय था।
- भीम-दो के एक सामन्त लवण प्रसाद ने गुजरात में बघेल वंश की स्थापना की थी।
- बघेल वंश का कर्ण-दो गुजरात का अंतिम हिन्दू शासक था, इसने अलाउद्दीन खिलजी की सेनाओं का मुकाबला किया था।
- कलचुरी वंश का संस्थापक कोक्कल था। इसकी राजधानी त्रिपुरी थी।
- कलचुरी वंश का एक शक्तिशाली शासक गांगेयदेव था, जिसने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की। पूर्व मध्यकाल में स्वर्ण सिक्कों के विलुप्त हो जाने के पश्चात इन्होंने सर्वप्रथम इसे प्रारंभ करवाया।
- कलचुरी वंश चुरी सबसे महान शासक कर्णदेव था, जिसने कलिंग पर विजय प्राप्त की और त्रिकलिंगाधिपति की उपाधि धारण की।
- प्रसिद्ध कवि राजेश्वर कचलुरी के दरबार में ही रहते थे।
- सिसोदिया वंश के शासक अपने को सूर्यवंशी कहते थे।
- सिसोदिया वंश के शासक मेवाड़ पर शासन करते थे। मेवाड़ की राजधानी चित्तौड़ में करवाया।
- खतोली का युद्ध 1518 ई. में राणा सांगा एवं इब्राहिम लोदी के बीच हुआ।
- मुहम्मद बिन कासिम के नेतृत्व में अरबों ने भारत पर पहला सफल आक्रमण किया।
- अरबों ने सिन्ध पर 712 ई. में विजय पायी थी।
- भारत पर अरबवासियों के आक्रमण का मुख्य उद्देश्य धन दौलत लूटना तथा इस्लाम धर्म का प्रचार-प्रसार करना था।
- 932 ई. में अलप्तगीन नामक एक तुर्क सरदार गजनी साम्राज्य की स्थापना की, जिसकी राजधानी गजनी थी।
- अलप्तगीन की मृत्यु के पश्चात कुछ समय तक गजनी में पिरीतिगीन ने शासक किया। इसी के शासनकाल में सर्वप्रथम भारत पर आक्रमण किया गया।
- प्रथम तुर्क आक्रमण के समय पंजाब में शाही वंश का शासक जयपाल शासन कर रहा था।
- अलप्तगीन का गुलाम तथा दामाद सुबुक्तगीन 977 ई. में गजनी की गद्दी पर बैठा।
- महमूद गजनी सुबुक्तगीन का पुत्र था, जिसका जन्म 1 नवंबर 971 ई. में हुआ था।
- अपने पिता के काल में महमूद गजनी खुरासान का शासक था।
- महमूद गजनी 27 वर्ष की अवस्था में 998 ई. में गद्दी पर बैठा।
- बगदाद का खलीफा अल आदिर बिल्लाह ने महमूद गजनी के पद को मान्यता प्रदान करते हुए उसे यमीन उद् दौला तथा यमीन ऊल मिल्लाह की उपाधि दी।

हेल्थ

हमेशा फिट एंड फाइन दिखने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

अच्छी दिनचर्या से शरीर को हैल्दी और खूबसूरत आजीवन बनाया रख जा सकता है। अधिकांश महिलाओं को कोई बीमारी नहीं होती, उनकी सिर्फ जीवनशैली गलत होती है।

गलत जीवनशैली से शरीर का पूरा सिस्टम ही गडबडा जाता है और इस सिस्टम के सुधरने पर ही स्वास्थ्य एवं सौंदर्य में निखार आता है।

महिलाएं सुबह बिस्तर छोड़ते ही काम में लग जाती हैं। उन्हें अपने खानपान की तरफ जरा भी ध्यान नहीं होता है। उनकी यह आदत धीरे-धीरे उन्हें कमजोर और कांतिहीन बना देती है-सुबह का नाश्ता करने के बाद ही घर के कार्यों में लगें। दिन के इस बससे कीमती भोजन को छोड़ने का अर्थ है कि आप अपने दिन का प्रारंभ उपवास से करती हैं, जो आपकी सेहत के लिए एक दिन खतरनाक साबित हो सकता है।

कॉफी में से कैफीन निकाल देने के बाद डीकैफ कॉफी तैयार की जाती है। इसमें बहुत थोड़ी मात्रा में टेबल क्रीम या दूध डाला जाता है और शुगर, हनी या आर्टिफिशल स्वीटनर की बहुत कम मात्रा भी डाल सकते हैं।

पानी हल्का गुनगुना पानी पीएं। अगर आपको डाइजेशन की प्रोब्लम है, तो ठंडा पानी कतई न पीएं। अगर आप सीधे नल का पानी पीते हैं, तो वॉटर प्यूरिफायर लगवा लें। पानी के टेस्ट को बदलने के लिए नींबू या ऑरेंज स्कवैश मिलाकर भी पी सकते हैं।

शारीरिक श्रम के अनुकूल भोजन करें। जैसा काम हो वैसा भोजन बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। आप वर्किंग लेडी हैं। दिन भर ऑफिस में काम करती हैं और घर आकर भी घरेलू कार्य करती हैं तो आपको अधिक कैलोरी की जरूरत है। पौष्टिक और संतुलित भोजन आप नहीं लेंगी तो बीमार और कमजोर पड सकती हैं।

अगर एड़ी में है दर्द, तो फॉलो करें ये तरीका

पैरों की एडियों में दर्द हो तो चलना-फिरना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसा देर तक खड़े रहने से या ऊंची एड़ी के सैंडन

पहनने से होता है। इसे समस्या से छुटकारा पाने के लिए दवाइयों के अलावा घरेलू उपचार भी किया जा सकता है। सिर्फ एक उपाय से इस दर्द से राहत पाई जा सकती है। आइए जानें...

सामग्रीः- 1 पीस नौशादर , 1/2 चम्मच एलोवेरा
1/2 चम्मच हल्दी पाऊडर

इस्तेमाल की तरीकाः-

एक बर्तन में एलोवेरा जैल डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसमें नौशादर और हल्दी डालें। जब यह पानी छोड़ने लगे तो इसे थोड़ा गुनगुना होने पर रूई से (जितना सह सकें) एड़ियों पर लगा लें। इसे कपड़े के साथ बांध लें। इसे रात को प्रयोग करें। लगातार 30 दिनों तक इस्तेमाल से आराम मिलेगा।

हरी मिर्च : नहीं होंगे कील-मुंहासे, वजन बढ़ने का खतरा कम...

भारतीय व्यंजन अपने चटपटे, तीखे स्वाद से पूरी दुनिया में लोकप्रिय हैं। खाने के साथ अगर साथ में हरी मिर्च न रखी होतो कहीं न कहीं कमी सी लगती है। हरी मिर्च में एक

औषधी के समान है जिसमें शरीर के कई बीमारियों दूर करता है। हरी मिर्च में कई सारी स्वास्थ्य वर्धक गुण समाएं होते हैं, साथ ही हरी मिर्च में विटामिन सी, फाइबर्स, एंटी-बैक्टीरियल आदि गुण हैं।

तो आइये जानते हैं हरी मिर्च के अनोखे लाभ के बारे में...

हरी मिर्च में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स फ्री रैडीकल्स से शरीर की कोशिकाओं को पहुंचने वाले नुकसान से रक्षा करने में मदद करती हैं।

शोध के अनुसार-हरी मिर्च में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाता है और कैंसर से लडने में मददगार साबित होती है।

हरी मिर्च में मौजूद तत्वों से त्वचा साफ बनी रहती है और कील-मुंहासे नहीं होते हैं।

हरी मिर्च डाइटरी फाइबर का एक बेस्ट स्त्रोत होते हैं जो शरीर में से विषैले तत्व बाहर निकालने में मददगार साबित होती हैं।

हरी मिर्च में विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च आंखों और त्वचा के लिए भी काफी लाभकारी है।

मिर्च के सेवन से भूख कम लगती है और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती जिससे वजन बढने का खतरा कम ही रहता है।